आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–27 मई 2025 भोजपुरी समाचार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहले हवें कि हाल के घटनाक्रम ई साबित कइले हौ कि पाकिस्तान क भारत के खिलाफ तथाकथित छद्म युद्ध वास्तव में एगो सुनियोजित युद्ध रणनीति हौ। गुजरात के गांधी नगर में महात्मा मंदिर में एगो जनसभा के सम्बोधित करत उहां के कहलीं कि छौ मई के घटना के बाद भारत के आतंकी गतिविधियन क प्रमाण दिहले क अब कउनों जरूरति नइखे।

छह मई के बाद जिनका कत्ल हुआ, उस जनाजे को स्टेट ऑनर दिया गया पाकिस्तान में। उनके कॉफेन्स पर पाकिस्तान के झंडे लगाए गए। उनकी सेना ने उनको सेल्यूट दी। ये सिद्ध करता है कि आतंकवादी गतिविधि ये प्रोक्सीवॉर नहीं है, ये आपकी सोची–समझी युद्ध की रणनीति है। आप वॉर ही कर रहे हैं। उसका जवाब भी वैसे ही मिलेगा।

प्रधानमंत्री कहलें कि भारत केहू से दुस्मनी नाहीं चाहे ला। भारत सान्ती से रहल चाहे ला। उहां के कहलीं कि देस येह तरीका से प्रगति कइले क आकांक्षा रक्खे चाहे ला, जवन विस्व के कल्याण में जोगदान दे सके। सरकार करोड़ो भारतीयन के उत्थान बदे समरपण के साथे कार कइ रहलि हौ।

****

ऑपरेसन सिंदूर के सफलता क खुसी मनावत पूरा देस भारतीय सैनिकन के वीरता के नमन कइ रहल बा। आकाशवाणी क समाचार सेवा प्रभाग ससस्त्र बलन के सरधांजलि देवे बदे एगो खास श्रृंखला प्रस्तुत कइ रहल हौ। येही कड़ी में आजु हमनी के मेजर शैतान सिंह के इयादि कइ रहल हईं। एगो रिपोर्ट–

दिसम्बर 1924 में राजस्थान के जोधपुर में जन्मे मेजर शैतान सिंह साल 1949 में सेना की कुमाऊं रेजीमेंट में भर्ती हुए। 1962 में भारत–चीन युद्ध के दौरान मेजर शैतान सिंह ने 13 कुमाऊं रेजिमेंट की सी–कंपनी का नेतृत्व किया और पांच हजार मीटर की ऊंचाई पर स्थित रेजांगला में एक रणनीतिक स्थान पर कब्जा किया। 18 नवंबर की सुबह चीन ने इस स्थान पर बड़ा हमला किया। कुमाऊं रेजीमेंट की सात, आठ और नौ नंबर की पलटन ने बेजोड़ साहस के साथ लड़ाई लड़ी और आखिर तक जमीन पर अपना कब्जा बनाए रखा। मेजर शैतान सिंह ने अपने व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना, वह एक पलटन पोस्ट से, दूसरे पलटन पोस्ट पर अपने सैनिकों के साथ लड़ते रहे। घायल होने के बावजूद उन्हें जब निकाला जा रहा था, तो चीनियों ने उन पर मशीन गन से हमला कर दिया। मेजर शैतान सिंह ने अपने सैनिकों को उन्हें छोड़कर जाने का आदेश दिया। सैनिकों ने मेजर शैतान सिंह को एक पहाड़ी की ढलान पर एक चट्टान के पीछे रखा, जहां उन्होंने अपनी अंतिम सांस ली। मेजर शैतान सिंह को उनके सर्वोच्च साहस, नेतृत्व, कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। सकलेन अख्तर, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु गोरखपुर के हिन्दुस्तान उर्वरक अउर रसायन लिमिटेड के खादि करखाना परिसर में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में सामिल भइलें अउर बारह सौ जोड़न के आसीरबाद दिहलें। प्रदेस सरकार की ओरि से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में हर जोड़ा के एक्यावन हजार रूपिया के जगहि एक लाख रूपिया दीहल गइले के घोसणा के बाद सामूहिक विवाह क ई पहिला आयोजन रहे। येह मौका पर मुख्यमंत्री कहलें कि वास्तव में सरकार ऊहे हौ जवन जनता के घरे जा के उनके समेस्या क समाधान निकारि सके। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोक कल्याणकारी कार्यक्रमन के आगे बढ़वले क एगो अभियान हौ। एहसे पहिले मुख्यमंत्री भिन्नहीं गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दरसन कार्यक्रम के दौरान करीब अढ़ाई सौ लोगिन क समेस्या सुनलें अउर सम्बन्धित अधिकारियन के समय से सबकर निस्तारण कइले क निरदेस दिहलें।

****

पंचाइतिनि के आत्मनिरभर बनवले के सथहीं गरीब परिवारन के मांगलिक कार्यक्रमन क आयोजन सरल अउर सुविधाजनक बनावे बदे प्रदेस सरकार परफार्मेंस ग्रांट पावे वाली पंचाइतिनि में बराति घर बना रहलि हौ। येही क्रम में गोरखपुर मण्डल के तीस पंचाइतिनि में बराति घर बनावल प्रस्तावित बाटे। उप निदेसक पंचायती राज हिमांशु शेखर ठाकुर बतवलें कि जवने तरियन नगर निगम सहरी इलाकन में कल्याण मण्डपम बना रहल हौ, ओहीं तरियन सम्बन्धित पंचाइतिनि में बराति घर बनावल जाये के हौ।

****

मौसम विज्ञान विभाग प्रदेस के पूरबी अउर पच्छिमी जिलन में दुइ जून ले कहीं–कहीं बरखा अउर जगज–चमकि के साथे बौछार परले क सम्भावना जतवले हौ। विभाग के मोताबिक पूरबी उत्तर प्रदेस में अट्ठाइस से एकतीस मई के बिच्चे कहीं–कहीं बिजुली गिरले अउर तेज झोंकेदार बेयारि चललहू क अनेसा बा।

****